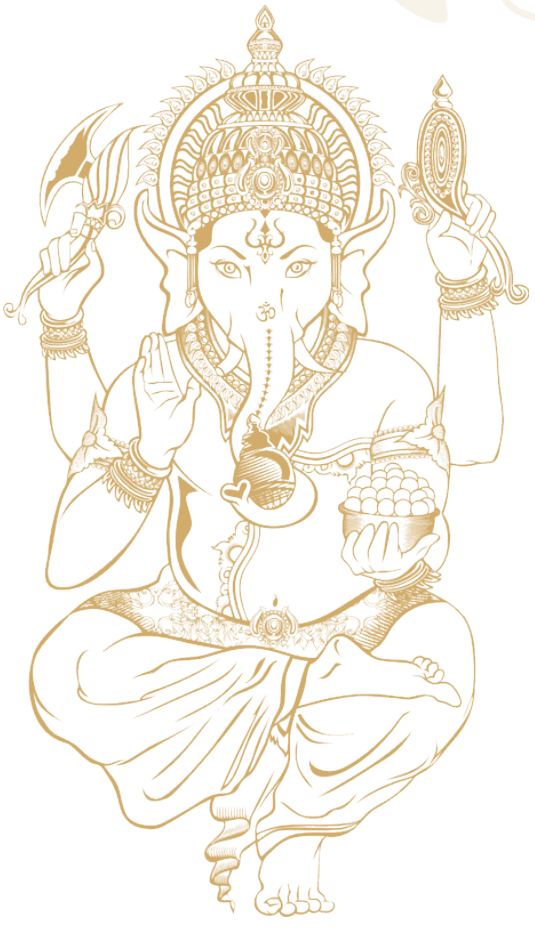

Mr.Dheeraj

Ms.Sakshi Mihani

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121276902

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
16/07/2000 :	जन्म तिथि	: 17/01/2002
रविवार :	दिन	: गुरुवार
घंटे 09:25:00 :	जन्म समय	: 20:38:00 घंटे
घटी 09:57:50 :	जन्म समय(घटी)	: 34:27:40 घटी
India :	देश	: India
Rewa :	स्थान	: Hoshangabad
24:32:00 उत्तर :	अक्षांश	: 22:44:00 उत्तर
81:18:00 पूर्व :	रेखांश	: 77:45:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:04:48 :	स्थानिक संस्कार	: -00:19:00 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
05:25:52 :	सूर्योदय	: 07:01:53
18:55:33 :	सूर्यास्त	: 17:56:23
23:51:38 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:52:52

विंशोत्तरी शुक्र 1वर्ष 8मा 7दि		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी राहु 1वर्ष 10मा 17दि	
राहु		21:55:25	सिंह	लग्न	सिंह	10:05:52	शनि	
24/03/2025		00:03:56	कर्क	सूर्य	मक	03:27:01	06/12/2019	
24/03/2043		25:32:31	धनु	चंद्र	कुंभ	18:36:22	05/12/2038	
राहु	05/12/2027	25:47:21	मिथु	मंगल	मीन	05:09:15	शनि	09/12/2022
गुरु	30/04/2030	16:36:42	मिथु व	बुध	मक	20:27:36	बुध	18/08/2025
शनि	06/03/2033	09:17:50	वृष	गुरु व	मिथु	14:36:33	केतु	26/09/2026
बुध	23/09/2035	09:37:01	कर्क	शुक्र	मक	04:12:11	शुक्र	26/11/2029
केतु	10/10/2036	04:16:40	वृष	शनि व	वृष	14:34:35	सूर्य	08/11/2030
शुक्र	11/10/2039	00:45:21	कर्क व	राहु व	मिथु	02:52:45	चन्द्र	08/06/2032
सूर्य	04/09/2040	00:45:21	मक व	केतु व	धनु	02:52:45	मंगल	18/07/2033
चन्द्र	06/03/2042	25:58:40	मक व	हर्ष	मक	29:24:39	राहु	24/05/2036
मंगल	24/03/2043	11:38:07	मक व	नेप	मक	14:09:58	गुरु	05/12/2038
		16:37:16	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	22:42:54		

लग्न-चलित

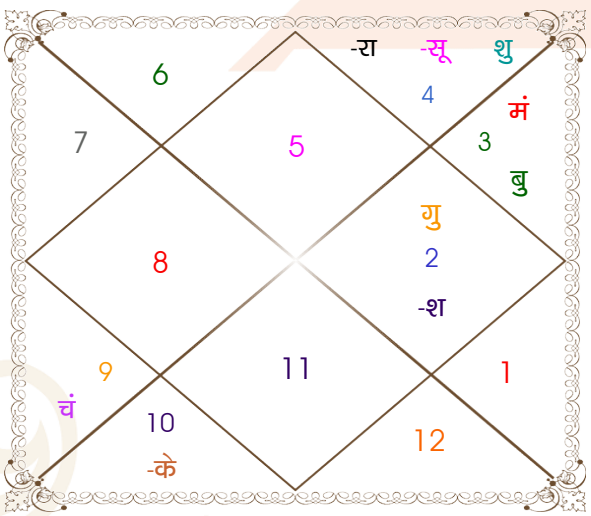

लग्न-चलित

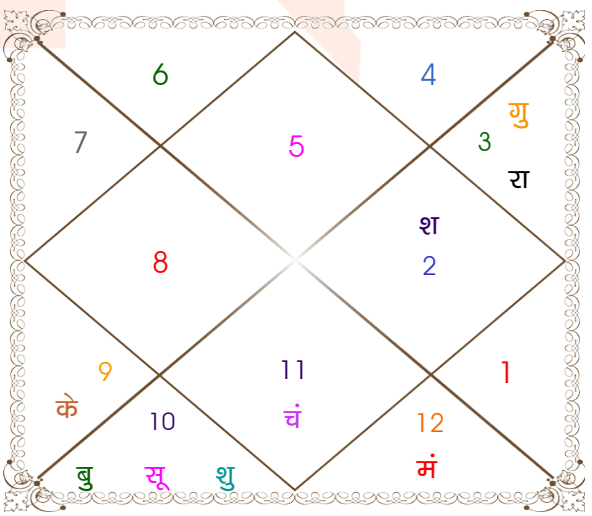

Shri Dadaji Jyotish kendra
Shop No 05, Sanskrit Mahavidyalaya Parisar Itarsi
8871726789
dadajiJyotishkendra@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	अश्व	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शनि	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	धनु	कुम्भ	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

डतण्कीममतंर का वर्ग श्वान है तथा डेंैंीप डपींदप का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्कीममतंर और डेंैंीप डपींदप का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्कीममतंर मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

डेंैंीप डपींदप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में सप्तम भाव में मकर राशि में तथा अष्टम भाव में मीन राशि में मंगल हो तो मंगल का दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डेंैंीप डपींदप कि कुण्डली में अष्टम् भाव में मीन राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल डतण्कीममतंर कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण्वीममतंर तथा डेंमैंीप डपींदप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।